ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–60
दिनांक– मंगलवार, **12 अगस्त, 2025**

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.5 एवं 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 81 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.9 एवं दोपहर में 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 33.9 मि0मी0 वर्षा हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(13–17 अगस्त, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 13–17 अगस्त, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में एक–दो दिनों तक मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। अगले 24 से 48 घंटो तक अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। तराई के कुछ क्षेत्रों में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। 14 अगस्त के बाद वर्षा की संभावना में कमी आ सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 27–29 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 45 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 05 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रूप से पूर्वा हवा चलने की संभावना है। 13 अगस्त को पछिया हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले एक–दो दिनों में अनेक स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना को देखते हुए मक्का तथा सब्जियों की खेतों से जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गन्ने के पौधों को विकास की इस अवस्था में गिरने से बचाने के लिए प्रोपिंग करें। यदि खेत में पत्ती धब्बों के लक्षण दिखाई दें, तो फफूंदनाशक ब्लाइटोक्स-50 का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।
- मिश्रीकंद की खेती ऊपरी भूमि वाले क्षेत्रों में करें। राजेंद्र मिश्रीकंद-1 और राजेंद्र मिश्रीकंद-2 अनुशंसित किस्में हैं, जिनका उपयोग किसान रोपाई के लिए कर सकते हैं। रोपाई के समय 30×15 सेमी की दूरी रखें। भूमि की तैयारी के दौरान किसानों को प्रति हेक्टेयर 200 क्विंटल कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है। प्रति हेक्टेयर 80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 80 किलोग्राम पोटेशियम उर्वरक की मात्रा डालें। नाइट्रोजन की आधी मात्रा और फास्फोरस व पोटेशियम की पूरी मात्रा रोपाई के समय डालें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय 20 से 25 टन सड़ी गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 से 80 किलोग्राम फॉस्फोरस, 40 से 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार करे।
- जिन किसान भाई का प्याज का पौध 45–50 दिनों का हो गया हो वे पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर एवं 80 किलोग्राम पोटाश के साथ 20 किलोगाम सल्फर का व्यवहार करें। प्याज के पौध की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी–छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई 2 मीटर एवं लम्बाई 3 से 5 मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें।
- फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग–अलग समय में पकने वाली आम की किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिष्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम–1, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दूरी 10 मीटर, बीजु के लिए 12 मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को 2.5 × 2.5 मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- मानसून के मौसम में दुधारू पशुओं की पाचन क्षमता कम हो जाती है, जिससे पेट फूलना और पेट में रुकावट जैसी समस्याएँ होती हैं। इन जटिलताओं से बचने के लिए किसानों को प्रतिदिन प्रोबायोटिक्स देने की सलाह दी जाती है। पशुओं को ऊँचे स्थानों पर रखना चाहिए और उन्हें बारिश के पानी के संपर्क में आने से बचाना चाहिए। पशुओं को स्वच्छ पानी पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी